मई महीने के लिए किसानोपयोगी कृषिवानिकी कार्यकलाप हेतु सलाह

1. कृषिवानिकी के लिए वृक्ष प्रजातियों का चयन एवं उनकी उपलब्धता अपने उद्देश्य के अनुसार सुनिश्चित करें।
2. वृक्ष लगाने के लिए सबसे पहले खेत का नक्शा तैयार करें व गड्ढे खोदने के लिए निशान लगायें।
3. गड्ढे खेतों की मेड़ पर या परिधि या बीच में योजना के अनुसार बनायें जा सकते हैं।
4. गड्ढों की दूरी, वृक्ष प्रजाति एवं उद्देश्य तय करें जैसे की लघु अवधि वाले पौधे 5X5 मी. एवं दीर्घ अवधि वाले पौधों को 8X8 मी. की दूरी पर लगाया जा सकता है। परिधि एवं मेड़ पर पौधों की दूरी 2.5 X2.5 मी. या 3X3 मी. रखी जा सकती है। परिधि पर जोड़ी कतार में पौधे लगाना उचित होता है।
5. काष्ठ वाले पौधों के लिए 60X60X60 से.मी. एवं फलदार पौधों के लिए 1X1 X1 मी. के गड्ढे बनाने चाहिए।
6. खेतों की गहरी जुताई करें जिससे हानिकारक कीड़े एवं मकोड़े नष्ट किये जा सके। इसके साथ–साथ गहरी जुताई करने से जल का संरक्षण पर्याप्त मात्रा में सुनिश्चित हो जाता है।
7. नुकसान से बचाने के लिए खड़ी फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
8. खरीफ मौसम में बोयी जाने वाली फसलों का चयन करके उनके बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करें।
9. रबी मौसम की फसलों के उत्पाद को सुखाकर उनका भण्डारण सही तरीके से किया जाए।
10. वर्षा जल के समुचित संरक्षण के लिए खेतों की मेड़बन्दी किया जाए।
11. बेर में कॉट–छॉट 15 मई तक पूर्ण कर लें।

12. अमरूद में सर्दी की फसल अच्छी लेने के लिए पिछले साल की बढ़वार को 50 प्रतिशत लम्बाई तक कॉटें।
13. छोटे पेड़ों में 7 दिन के अन्तराल से सिंचाई करें।
14. नीबू वर्गीय फलों में सिंचाई 7 दिन के अन्तराल से करते रहें।
15. नये बाग लगाने के लिए गड्ढे खोदकर छोड़ दें जिससे गर्मी से मिट्टी में उपस्थित कीट मर जायें।
16. भिंडी की पछेती फसल लगा सकते हैं।
17. छोटी जोत वाले सीमांत किसान माननीय प्रधानमंत्री की सलाह के मद्देनजर कम से कम अपने खेतों की मेड़ पर पेड़ लगायें जिसके लिए कृषिवानिकी मिशन के अन्तर्गत वन विभाग/राज्य सरकार से पौधे निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं।

कृषिवानिकी संबंधित किसी भी जानकारी हेतु किसान निदेशक, भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झॉसी से सम्पर्क करें।